

संक्षिप्त समाचार

पति-पत्नी ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के चँदिया रेलवे स्टेशन परिसर में एक पति-पत्नी ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। अचानक हुई इस घटना से रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गया और मौके पर मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। जानकारी के अनुसार, घटना से ठीक पहले रेलवे स्टेशन परिसर में ही पति और पत्नी के बीच किसी बात को लेकर जोरदार विवाद हो रहा था। दोनों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि गुस्से और आवेश में आकर दोनों ने यह खौफनाक कदम उठा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान ही दोनों अचानक रेलवे ट्रैक पर जा पहुंचे और वहां से गुजर रही एक मालगाड़ी के आगे छलांग लगा दी।

झोपड़ी में आग लगने से पिता-पुत्री समेत 3 लोगों की दर्दनाक मौत, एक महिला की हालत नाजुक

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। भटनी थाना क्षेत्र के नोनापार गांव में मध्य रात्रि को एक झोपड़ी में आग लगने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक 3 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से घायल एक महिला को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। आग लगते ही आसपास के लोग आग बुझाने में जुट गए और अग्निशमन टीम को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटनी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र पुत्र लालचंद्र (32), बालकृष्ण पुत्र अदालत और जितेंद्र की तीन वर्षीय पुत्री शनि को मृत घोषित कर दिया। वहीं, जितेंद्र की पत्नी लीला की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं : सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदान हुए पुलिस कर्मियों को नमन किया। उन्होंने नए उत्तर प्रदेश में आए बदलाव की तस्वीर भी एक्स पर साझा करते हुए कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं उन सभी वीर पुलिस कर्मियों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूं, जिन्होंने देश की सुरक्षा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर पुलिस कर्मियों का शौर्य, साहस और समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत है।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक

युवा बड़े सपने देखें, अपनी सफलता को समाज और राष्ट्र की सेवा से जोड़ें : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

- अन्न का सम्मान, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हम सभी का सामूहिक दायित्व : राष्ट्रपति
- जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है : राष्ट्रपति
- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का जीवन देश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर/संवाददाता

युवा बड़े सपने देखें, अपने विचारों को व्यापक बनाएं और अपनी सफलता को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ें। परिस्थितियां और चुनौतियां अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। जब युवाओं के व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ेंगे, तभी देश की प्रगति का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नुआखाई के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेश डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने

नुआखाई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई मिलन केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और भारतीय जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नुआखाई हमारी कृषि परंपरा को सहेजने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का पर्व है। अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि किसान भाई-बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है। अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने युवाओं से कहा कि वे जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पुस्तकें पढ़ें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को समझें और अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर विकसित करें। जीवन में लक्ष्य तय करें और चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर स्वयं में सुधार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को ज्ञान के साथ विनम्रता, महत्वाकांक्षा के साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा-भाव को जोड़ना चाहिए। आपका ज्ञान किसी जरूरतमंद के काम आए, आपकी प्रतिभा किसी समस्या का समाधान करे और आपकी सफलता समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बने, तभी उपलब्धि की वास्तविक सार्थकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र का निर्माण केवल बड़े निर्णयों से नहीं होता, बल्कि करोड़ों नागरिकों के छोटे-छोटे ईमानदार प्रयासों से होता है। प्रत्येक युवा जो भी कार्य करे, उसे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करे। ये गुण विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं के योगदान



राष्ट्रपति जी का जीवन बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा : साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का छत्तीसगढ़ से गहरा आत्मीय संबंध है। प्रदेशवासियों के मन में उनके प्रति आदर और आत्मीयता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू जी का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सादगी, सेवा, शिक्षा और दृढ़ संकल्प की प्रेरणादायक मिसाल है। ओडिशा के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की उनकी जीवन यात्रा विशेष रूप से देश की बेटियों, युवाओं तथा जनजातीय और ग्रामीण अंचलों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका मार्गदर्शन प्रदेश के युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

को और सशक्त बनाएंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। देश की आधी आबादी को आगे बढ़ाए बिना राष्ट्र पूरी क्षमता के साथ प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने

नुआखाई सामाजिक एकता और सेवा भावना का पर्व-राज्यपाल

राज्यपाल श्री रमेश डेका ने प्रदेशवासियों को नुआखाई जुगुर की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल नई प्रज्ञा के आगमन की खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि धरती माता के प्रति कृतज्ञता, किसानों के परिश्रम के सम्मान और मिल-जुलकर सुधियां बांटने का उत्सव है। यह हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की परंपरा को मजबूत करता है। राज्यपाल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति को प्रदेश के लिए सौभाग्य और प्रेरणा का अवसर बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष, सादगी, समर्पण और सेवाभाव हम सभी के लिए प्रेरक है। उन्होंने युवाओं से सेवा को अपने जीवन का स्वभाव बनाने और नशे एवं भटकपट से दूर रहकर ज्ञान, कौशल और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

महिलाओं से देश और समाज के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने पुरुषों, विशेषकर युवाओं से कहा कि वे अपनी बहनों और बेटियों को ऐसा वातावरण और अवसर प्रदान करें, जिसमें वे बिना किसी बाधा के अपने सपनों को साकार कर सकें। महिलाओं के प्रति सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारी सोच, व्यवहार



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूज्य माता हारी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेश डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय उपस्थित थे। पूज्य श्रद्धांगी दरबार रायपुर की 5 वीं पीठाधीश्वर माता साहिब हारी देवी की 200 वीं जयंती पर भारत सरकार पितृ मंत्रालय द्वारा 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया गया है। सिंधी धिभूति के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी होना समाज के लिए ऐतिहासिक मौका था। यह देश-विदेश में रहने वाले करोड़ों सिंधी लोगों के लिए गर्व का विषय है। स्मारक सिक्के का उद्घाटन होने के बाद प्रधान और सिक्का संग्रहालय इस श्रद्धांगी दरबार की अलग-अलग इकाइयों के माध्यम से बुक कर सकेंगे। ओलंपिक है कि भारत सरकार द्वारा जारी इस विशेष सिक्के पर पूज्य माता हारी देवी जी की छवि अंकित है। सिक्के के एक ओर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और 200 रुपये का मूल्यवर्ग दर्शाया गया है। इस स्मारक सिक्के के माध्यम से उनके जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

और दैनिक आचरण में भी दिखाई देना चाहिए। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों तथा युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर प्रदेश के युवा नक्सलवाद के भटकपट से मुक्त होकर मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

हाई कोर्ट में कहा- वह दूसरे संगठन ने बुलाया था

नेहा बोरा ने खुद को सीजेपी प्रोटेस्ट से अलग कर लिया

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट में लेफ्ट छत्र संगठन एआईएसएफ की स्टूडेंट लीडर नेहा बोरा को उस याचिका पर सुनवाई हो रही है, जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस के नोटिस को चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान, नेहा बोरा ने कर्नाट प्लेस में कफिरों जनता पार्टी (सीजेपी) के बुलाए गए प्रोटेस्ट से खुद को अलग कर लिया। बोरा के वकील ने कहा कि वह सेंट्रल पार्ट में अलग से बुलाए गए आह्वान में शामिल नहीं थी। वह दूसरे संगठन ने बुलाया था। मैं मंडी हाउस में अपने आह्वान से निपट रही थी। लंबी सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कल शाम छह बजे फैसला सुनाया जा सकता है। हाई कोर्ट में नेहा बोरा की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट शंकर नारायणन



ने कहा, 'मैं एक बात साफ करना चाहता हूं कि वह एक अलग कॉल (सीपी सेंट्रल पार्क में) में शामिल नहीं हैं। उसे किसी दूसरे संगठन ने बुलाया था। वह (नेहा बोरा) उससे जुड़ी नहीं हैं, वह उसमें शामिल नहीं हैं। वह मंडी हाउस में मीटिंग करने के अपने ही कॉल से निपट रही हैं।' नेहा बोरा ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा कि उन्हें तिरंगा फहराने के लिए परमिशन की जरूरत नहीं है। उन्होंने पुलिस के पीस बॉर्ड भरने के नोटिस को चुनौती दी। नेहा के वकील ने कहा कि यह बहुत छोटा मामला है। यह एक नोटिस के बारे में है जो कथित तौर पर ड्रफ्ट्स के सेक्शन 126 और 130 के तहत जारी किया गया है।

चेन्नई में 13 लाख फॉलोअर्स वाले फाइनैस इन्फ्लुएंसर ने की आत्महत्या, पिता ने साइबर बुलिंग का लगाया आरोप

चेन्नई । इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर 'फाइनैस विद हरीश' नाम से लोकप्रिय फाइनैस इन्फ्लुएंसर वी. हरीश (27) ने सुसाइड कर लिया। वे चेन्नई के किराए के विला में फंदे से लटक मिले। उनके इंस्टाग्राम पर 13 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। वह अपने किराए के विला में फांसी पर लटके पाए गए। उनके पिता ने आरोप लगाया है कि वे चेंबर स्टूडियो जैमुरिया इंक के सीईओ जेसन सैमुअल की ओर से कथित साइबर बुलिंग किए जाने के कारण हरीश मानसिक तनाव में थे।

बिलासपुर पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख

दो दिवसीय प्रवास पर संघ की बैठकों में लेंगे हिस्सा...

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत दो दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर पहुंच चुके हैं। उनके इस दौरे को लेकर राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है। गुरुवार को वे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर उतरे। स्टेशन पर पहुंचने के बाद वे सीधे कोनी स्थित सरस्वती आवासीय विद्यालय के लिए रवाना हो गए। उनके इस दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन और संघ के कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा के

बिलासपुर पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख

दो दिवसीय प्रवास पर संघ की बैठकों में लेंगे हिस्सा...

पुख्ता इंतजाम किए हैं। अपने इस दो दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बौद्धिक वर्ग और विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेंगे। इन बैठकों में संघ की आगामी गतिविधियों और संगठनात्मक विषयों पर



गंभीर मंथन होगा। छत्तीसगढ़ में संघ के कार्यों और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर भी चर्चा की संभावना जताई जा रही है। मोहन भागवत के इस कार्यक्रम को लेकर संघ के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहे हैं। संघ प्रमुख के प्रवास के दौरान होने वाली इन बैठकों और कार्यक्रमों पर हर किसी की नजर टिकी हुई है। छत्तीसगढ़ में संगठन की मजबूती और विस्तार को लेकर यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। स्थानीय स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं में भी इस दौरे को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है।

यात्रियों से भरी बस मनेन्द्रगढ़-केल्हारी मार्ग पर पलटी

6 यात्रियों की मौत, 15 घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल

- मृतकों में चार केल्हारी और एक चिरमिरी के निवासी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मनेन्द्रगढ़ केल्हारी मार्ग पर सेमरमथानी के पास एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बस जनकपुर से मनेन्द्रगढ़ की ओर आ रही थी। बस में

करीब 30 यात्री सवार थे। इसी दौरान सेमरमथानी के पास बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बस मालिक और चालक की मौत होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, मृतकों की पहचान और दुर्घटना के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जानकारी सामने आना बाकी है। खबरों की माने तो मृतकों में चार केल्हारी और एक चिरमिरी के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। गंभीर रूप से घायल यात्रियों की स्थिति को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हादसे के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि भी



घायलों की मदद के लिए पहुंचे। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी मौके पर राहत कार्य में जुटे रहे। वहीं, पूर्व जनपद सदस्य मकसूद आलम केल्हारी अस्पताल में मौजूद रहे। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भी घटना की जानकारी लेते हुए घायलों के स्वास्थ्य के संबंध में

मासूम बच्चे के लिए स्वेटर लेने कहना पड़ा भारी,पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर पति ने की जलाने की कोशिश

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से दिल धकता देने वाली घटना सामने आई है। यहां अपने तीन माह के मासूम बच्चे के लिए स्वेटर लेने की बात कहना एक न्यायवाहिता को भारी पड़ गया। पति ने गुस्से में आकर पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर उसे आग के हवाले करने की कोशिश की। इस घटना में महिला करीब 30 प्रतिशत तक झुलस गई है। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला सबलपुर का है। दरअसल रेणुका की शादी आज से एक साल पहले सबलपुर निवासी बलराम के साथ हुई थी। इस बीच दोनों के बीच आर्थिक परेशानी को लेकर विवाद होता रहा। बीते दिन भी किसी लोभ की बात को लेकर विवाद हुआ था। उसके बाद रेणुका ने अपने मासूम बच्चे के लिए उसके पिता से स्वेटर लेने की बात कही। बस इतनी सी बात में तेश में आकर पति ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल जलकर उसे जलाने की कोशिश की। इस घटना में महिला 30 प्रतिशत तक झुलस गई है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं पीड़िता ने अपने पति के खिलाफ दण्ड करवाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंची रेल, बस्तर के विकास को मिली नई रफ्तार

● रेल संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए अवसरों तक आसान होगी पहुंच, दूरस्थ अंचलों के लोगों का वर्षों पुराना सपना हुआ साकार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर के बस्तर अंचल में विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच नवनिर्मित 17.5 किलोमीटर रेलखंड का उद्घाटन किया गया। इसके साथ रावघाट से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक रेलवे की सुविधा उपलब्ध हो गई है। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुंचने से क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है। यह उपलब्धि केवल रेल लाइन के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर से तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रेल सेवा का शुभारंभ किया। वहीं सांसद भोजराज



नाग एवं विधायक विक्रम देव उसेंडी ने भी रावघाट रेलवे स्टेशन से रावघाट - रायपुर मेमो पैसेंजर को हरी झंडी दिखाकर रायपुर के लिए रवाना किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सांसद एवं विधायक ने ग्रामीणों के साथ रावघाट से अंतागढ़ तक रेल यात्रा भी की। यात्रियों को इस अवसर पर निःशुल्क डेमो टिकट कांड प्रदान किए गए। ग्रामीण बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान- रावघाट तक रेल पहुंचने से अब दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों के लिए शहरों में जाकर पढ़ाई करना पहले की तुलना में आसान होगा। बेहतर आवागमन सुविधा मिलने से बच्चों को उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को इलाज के लिए बड़े अस्पतालों तक पहुंचने, जरूरी सामान खरीदने, रोजगार के अवसर तलाशने और व्यापारिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने में भी सुविधा होगी। अब तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित



परिवहन सुविधाओं के कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। रेल सेवा शुरू होने से समय और यात्रा खर्च में राहत मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से विद्यार्थियों, मरीजों, श्रमिकों, किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए लाभकारी साबित होगी। 11,628 करोड़ की परियोजना से बढ़ेगा रेल नेटवर्क- दल्लीराजहरा-रावघाट के बीच लगभग 1,628 करोड़ की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेलखंड का निर्माण पूरा हुआ है। इस रेल संपर्क से बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं का विस्तार होगा और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं मजबूत होंगी। रावघाट से रायपुर के लिए मेमो पैसेंजर ट्रेन संख्या 68769 का परिचालन प्रातः 6:30 बजे रावघाट से प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार होगा।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा बस्तर बस्तर अंचल में रेल सेवा का विस्तार क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सांसद भोजराज नाग ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि बस्तरवासी आजादी के बाद से रेल सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे थे। दुर्गम क्षेत्र में रेल लाइन का विस्तार करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निरंतर प्रयासों से यह सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ा है। नवसंवाद के समाप्ति एवं क्षेत्र में विकास के वातावरण के बीच ऐसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार बस्तर के लिए नई संभावनाएं खोल रहा है। रेल संपर्क से स्थानीय लोगों का देश के अन्य हिस्सों से जुड़ाव बढ़ेगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे। रावघाट तक रेल पहुंचना इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का दूरस्थ अंचल भी अब विकास की नई यात्रा में आगे बढ़ रहा है। रेल की सीटी के साथ यहां के बच्चों के बेहतर भविष्य, मरीजों की आसान यात्रा, युवाओं के रोजगार और स्थानीय व्यापार की नई उम्मीदों ने भी गति पकड़ी है। रावघाट से रायपुर मेमो पैसेंजर ट्रेन के शुभारम्भ अवसर पर प्रधान मुख्ययात्रिकी इंजीनियर मनीष अग्रवाल, मुख्य महाप्रबंधक रावघाट अनूप बिष्ट, ईडी रावघाट अरुण कुमार, भावेश पाण्डे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी हर्ष मंडवी, जगदल अध्यक्ष अंतागढ़ मतो मनोरमा मंडवी, नगर पंचायत अध्यक्ष अंतागढ़ राधेलाल नाग, लघु वनोद्यम संघ के अध्यक्ष रुपसाय सालाम, ग्राम पंचायत रावघाट के सरपंच प्यारेलाल उसेंडी, अंतागढ़ आर कलेक्टर एसडीएम गंगाधर वहिले सहित कांकेर एवं नारायणपुर जिले के पंच सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन और जिला प्रशासन व रेलवे के अधिकारी मौजूद रहे

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन तैयारी के लिए दिशा निर्देश जारी, जिले में अब तक 168939 किसान पंजीकृत

नवीन किसान पंजीयन 31 अक्टूबर तक

बलौदाबाजार। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी केन्द्रों के माध्यम से किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन किया जाएगा। धान उपार्जन की तैयारी हेतु राज्य शासन द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में धान खरीदी की तैयारी जिले में जोरों पर है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धान उपार्जन हेतु केन्द्र का चिन्हानकन करते समय विशेष रूप से यह ध्यान रखा जाए कि ऐसे स्थानों की भूमि समतल हो एवं पर्याप्त रूप से ऊंचा स्थान पर हो जिससे आकस्मिक वर्षा की स्थिति में संग्रहित धान के खराब होने की स्थिति निर्मित न हो। उपार्जन केन्द्र स्तर पर धान के सुरक्षित संग्रहण हेतु आवश्यक



संख्या में पॉलिथीन कवर, डनेज सामग्री, सीमेंट ब्लॉक, फलाई ऐश ब्रिक्स एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था भी उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध होना चाहिए। सभी उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी के लिये नमी की जांच हेतु आर्द्रतामापी यंत्र रखे जाएंगे। सभी खरीदी केन्द्रों में आर्द्रतामापी यंत्र चालू अवस्था में होने चाहिए। आर्द्रतामापी यंत्र का

कैलीब्रेशन यथाशीघ्र धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व करा लिया जाए। जिन स्थानों पर आर्द्रतामापी यंत्र उपयोग योग्य नहीं है, वहां समिति द्वारा नये आर्द्रतामापी यंत्र की व्यवस्था किया जाए। गत वर्ष अनुसार बायोमेट्रिक आधारित धान खरीदी हेतु आवश्यक व्यवस्था, धान खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी इलेक्ट्रॉनिक तौर

यंत्र के माध्यम से की जाएगी। विधिक मापविज्ञान के द्वारा इलेक्ट्रॉनिक तौर यंत्र का सत्यापन समयानुसार कराया जाएगा। खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में संलग्न चेक लिस्ट अनुसार कार्यवाही की जाए। विगत वर्षों में उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हेतु प्रयुक्त किए गए कम्प्यूटर, प्रिन्टर, जेनरेटर एवं यू.पी.एस. का परीक्षण करा लिया जाए एवं यदि कोई उपकरण चालू हालत में न हो तो तत्काल उसमें सुधार करा लिया जाए। ये सभी उपकरण चालू हालत में हैं एवं कम्प्यूटर के इंस्टालेशन का कार्य उपार्जन केन्द्र में किया जा चुका है, इस आशय का प्रमाण-पत्र संबंधित सहकारी समिति के प्रबंधक से प्राप्त किया जाए।

पुलिस स्मृति दिवस पर प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि, पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज ने परेड की सलामी लेकर शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया

कर्तव्यपथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों का साहस, समर्पण एवं राष्ट्रसेवा सदैव स्मरणीय रहेगा

दुर्ग। प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई परिसर स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज, दुर्ग श्री अभिषेक शांडिल्य, भा.पु.से. द्वारा परेड की सलामी ली गई तथा शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन किया गया। उन पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस



अधीक्षक, दुर्ग श्री विजय अग्रवाल, भा.पु.से. सहित बलौद एवं बेमेतरा के पुलिस अधीक्षकों, प्रथम वाहिनी छसबल के सेनानी, पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों एवं शहीद परिवारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस बल ने शहीद जवानों के आदर्शों पर चलते हुए जनसेवा, नागरिक सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने

के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन शहीद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करने तथा उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से किया गया। प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई के शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस

महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज, दुर्ग श्री अभिषेक शांडिल्य, भा.पु.से. ने परेड की सलामी ली और शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। दिनांक 21 अक्टूबर 2026 को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई परिसर स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में पुलिस स्मृति दिवस परेड का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था की रक्षा तथा आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सिटी कोतवाली की गुंडा-बदमाश सूची में आशीष शुक्ला का नाम

● प्रेस क्लब ने संस्था से संबंध न होने की कही बात

बलौदाबाजार। सिटी कोतवाली बलौदाबाजार में प्रदर्शित गुंडा-बदमाशों की सूची को लेकर एक नाम चर्चा में है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार निवासी आशीष शुक्ला का नाम उक्त सूची में शामिल बताया जा रहा है। लगातार सामने आए अपराधिक प्रकरणों एवं शिकायतों के चलते उनका नाम सूची में दर्ज किए जाने की बात कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष शुक्ला के विरुद्ध सिटी कोतवाली बलौदाबाजार में कई प्रकरण दर्ज होने की जानकारी है। लगभग 3 से 4 सेक्सट्रोस प्रकरण में ड्रा धमका कर भयादोहन कर अवैध वसूली मामले सहित प्रकरण क्रमांक 607/2025 का भी उल्लेख किया गया है। वहीं शांति भंग से संबंधित कार्रवाई के तहत अनुविभागीय कार्यालय में BNSS की धारा 129 तथा धारा 128 एवं 135 के अंतर्गत



प्रकरण चलने और एक लाख रुपये के बाउंड की कार्रवाई की जानकारी भी सामने आई है। इसके अलावा कुछ अन्य मामलों में जांच लंबित होने की बात भी कही गई है। आशीष शुक्ला पर पत्रकारिता की पहचान का उपयोग करते हुए डराने-धमकाने, भयादोहन एवं अवैध वसूली से संबंधित आरोपी भी लगाए गए हैं। हालांकि इन आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष संबंधित जांच एवं सक्षम न्यायिक/प्रशासनिक प्रक्रिया के बाद ही माना जाएगा। बलौदाबाजार प्रेस क्लब ने स्पष्ट किया है कि आशीष शुक्ला एवं उनके भाई का वर्तमान में संस्था से कोई संबंध नहीं है। प्रेस क्लब के अनुसार, दोनों भाइयों को पूर्व में संस्था की ओर से उनकी कथित गतिविधियों को देखते हुए निष्कासित किया जा चुका है।

श्री शिवरीनारायण मठ में विजयादशमी के पावन अवसर पर गद्दी महोत्सव संपन्न

श्रद्धालु भक्तों एवं अनेक अति विशिष्ट जन हुए उपस्थित

● विजयादशमी एवं माघ शुक्ल त्रयोदशी को वर्ष में दो बार आयोजित होता है गद्दी महोत्सव,

शिवरीनारायण। विजयादशमी के पावन अवसर पर श्री शिवरीनारायण मठ में पारंपरिक श्रद्धा एवं आध्यात्मिक विधि-विधान के साथ गद्दी महोत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मठ में विधिवत पूजा-अर्चना की गई। भव्य शोभा यात्रा का आयोजन मठ से मध्य नगरी चौक, मेला ग्राउंड होते हुए जनकपुर तक तथा यहां से पुनः मठ मंदिर तक संपन्न हुआ। इस बीच नगर वासियों के द्वारा जगह-जगह पर स्वागत किया गया। मठ मंदिर के कर्मचारियों ने गाजे-बाजे के साथ शौर्य प्रदर्शन किया। हवन-पूजन संपन्न होने के पश्चात गद्दी स्थल की सात परिक्रमा कर राजेश्री महन्त जी महाराज गद्दी पर विराजित हुए, सबसे पहले त्यागी जी महाराज फिर



श्रीमतीरानी सुखराम दास जी उसके पश्चात संत महात्माओं ने तथा श्रद्धालु भक्तों ने बारी बारी से पूजा अर्चना कर महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। अंततः राजेश्री महन्त जी महाराज श्रद्धालुओं के साथ में भगवान श्री शिवरीनारायण जी के दरबार में उपस्थित हुए एवं विश्व कल्याण की कामनाएं की। उल्लेखनीय है कि श्री शिवरीनारायण मठ में गद्दी महोत्सव का आयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है। प्रथम आयोजन विजयादशमी के पावन अवसर पर तथा द्वितीय आयोजन माघ शुक्ल त्रयोदशी को संपन्न होता है। यह

महोत्सव मठ की धार्मिक परंपराओं, आध्यात्मिक आस्था एवं गुरु-परंपरा के प्रति श्रद्धा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इस अवसर पर राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपने संदेश में - धर्म, आस्था, परंपरा एवं आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रद्धालुओं को धार्मिक परंपराओं के संरक्षण तथा सदाचार एवं सेवा भाव को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। गद्दी महोत्सव में विशेष रूप से पंकज अग्रवाल, अग्रवाल, हेमंत दुबे, बृजेश की शेरवानी, वीरेंद्र तिवारी, निरंजन लाल अग्रवाल, पवन सुलतानिया, नारायण खंडेलिया, भुवन दास वैष्णव, भरत दास वैष्णव, भोला दास वैष्णव, जगेंद्र वैष्णव, शिवकुमार साहू, पुरेन्द्र सोनो, खगेश वैष्णव, आदित्य जी, मीडिया प्रभागी निर्मल दास वैष्णव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों, गणमान्य नागरिकों एवं अति विशिष्ट जन की उपस्थिति रही।

बिटकुली में भक्ति भाव से संपन्न हुआ 'नरुंग दाई गोंगो पूजा विसर्जन

● गोंडी धर्म प्रचारक भुमका गुरुजी ने समाज को अपनी मूल संस्कृति और पहचान से जुड़े रहने का दिया संदेश

बलौदाबाजार। जिले के ग्राम पंचायत बिटकुली में मंगलवार को गोंड आदिवासी समाज के नव युवाक जय सेवा समिति के तत्वावधान में गोंडी संस्कृति एवं रीति-रिवाज के अनुसार पारंपरिक नरुंग दाई का गोंगो पूजा विसर्जन कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और हार्प्राव्रस के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा और आस्था के साथ शामिल हुए। जय सेवा समिति के नवयुवकों के नेतृत्व में प्रकृति शक्ति नरुंग दाई की विशेष पूजा-अर्चना की गई और उसके बाद पूरी निष्ठा के साथ विसर्जन की रस्म को



पूरा किया गया। कार्यक्रम के दौरान गोंडी धर्म प्रचारक भुमका गुरुजी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील संदेश दिया। उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज आधुनिकता की दौड़ में हमारे आदिवासी समाज के लोग अपनी मूल संस्कृति, अद्वितीय परंपराओं और विशिष्ट पहचान को भूलते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज को इस अनमोल धरोहर को जीवित रखने के लिए ही आज भुमकाओं यानी पुजारियों

द्वारा निरंतर धर्म और संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। इस गौरवमयी सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गोंड समाज के प्रमुख जनों और युवाओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धार्मिक अनुष्ठान को सही कराने वाले भुमका संतोष नेनाम के साथ दुर्गेश मरकाम, रामसागर जगत, धनेश छैदैहा, तीजराम मरकाम और जगत मरावी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नगर पंचायत भटगांव के वार्ड 01 कृष्णा चौक मे अष्टमी को नव दुर्गा माँ की विशेष पूजा सम्पन्न

हवन के पश्चात नवमी तिथि को बाजे गाजे के साथ हुआ विसर्जन

● दुर्गा के नव रूपों मे बच्चों ने मनमोहक झांकी के साथ डांस की भव्य प्रस्तुति
● कार्यक्रम मे नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगण हुए शामिल

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के वार्ड क्रमांक 01 कृष्णा चौक मे शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टमी तिथि को माँ दुर्गा की विशेष पूजा विधि-विधान के साथ सम्पन्न



हुई। जहाँ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ माँ दुर्गा की आरती और पूजा की गई और कौतूहल मंडली के साथ विशेष झांकी की प्रस्तुति की गई। वहीं मोहले

के बच्चों ने इस भव्य जाँकियों के साथ कार्यक्रम का शोभा बढ़ा दिया। उसके बाद भव्य हवन पूजन का आयोजन किया गया। हवन में



वार्डवासियों ने बह-चढ़कर आहुति दी और सुख-शांति की कामना की। हवन के पश्चात नवमी तिथि को बाजे-गाजे और ढोल-नगाड़ों के

साथ माँ दुर्गा की प्रतिमा का भव्य विसर्जन किया गया। पूरे वार्ड में भक्तिमय माहौल और जय माता दी के जयकारे गूँजते रहे। इस विशेष

पूजा कार्यक्रम में नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुर्ते अपने परिवार सहित, उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन एवं पार्षदों मे प्रवेश दुबे, राम कुमार सिदार, महा देवा यादव, पार्षद प्रतिनिधि रमा पटेल, गणेश यादव विशेष रूप से शामिल हुए और माँ का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक केंद्र रहा बच्चों द्वारा दुर्गा के नव रूपों पर आधारित मनमोहक झांकी और डांस की भव्य प्रस्तुति रही। बच्चों ने माँ दुर्गा के नौ रूपों की वेशभूषा में नृत्य कर सभी का मन मोह लिया, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

स्कूटी से गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

● आरोपी से 30,000 मूल्य का 03 किलो 27 ग्राम गांजा जप्त

बलौदाबाजार। थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर् से सूचना मिली कि पुरानी बस्ती बलौदाबाजार निवासी गंगू कुमार धुतलहरे स्कूटी में अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्की हेतु परिवहन कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल खोरसीनाला बलौदाबाजार क्षेत्र के लिए रवाना हुई। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा खोरसीनाला बलौदाबाजार के पास घेराबंदी सँदिग्ध स्कूटी को रोका गया। तत्पश्चात स्कूटी का बहुत ही सूक्ष्मापूर्वक पुलिस टीम द्वारा



तलाशी लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी द्वारा उपयोग किए जा रहे स्कूटी की डिग्री से 03 किलो 27 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया, जिसे जप्त किया गया। आरोपी का यह कृत्य एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने पर अपराध के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध के पयाप्त सबूत मिलने पर 20 अक्टूबर

संक्षिप्त समाचार

मरवाही के डोंगरी टोला में 3 हजार कंटूर ट्रेंच से सहेजा जाएगा 24.30 लाख लीटर वर्षा जल

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्ती के डोंगरी टोला में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। यहां लगभग 3 हजार स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण कर 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल संग्रहण की क्षमता विकसित की गई है। इस पहल से क्षेत्र के करीब 250 परिवारों को भविष्य में जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है। पहाड़ी और ढलान वाले क्षेत्रों में बारिश का पानी तेजी से बहकर निकल जाता है, जिससे जल संरक्षण के साथ मिट्टी के कटाव की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसे ध्यान में रखते हुए डोंगरी टोला में वैज्ञानिक पद्धति से कंटूर ट्रेंच बनाई गई हैं। ये संरचनाएं वर्षा जल के बहाव को धीमा कर पानी को जमीन में समाहित होने में मदद करेंगी। इससे भूजल पुनर्भरण बढ़ने, मिट्टी में नमी बनाए रखने और आसपास के प्राकृतिक जलस्रोतों को लाभ मिलने की संभावना है। इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिल में बड़ी बचत, सोलर पैनल से अतिरिक्त बिजली गिड में पहुंच रही

रायपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जिले के नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं। नगर पालिका सुकमा के वार्ड क्रमांक 15 कुम्हाररास निवासी श्री आपु हालदार ने भी इस योजना का लाभ लेते हुए जुलाई 2026 में अपने घर पर 03 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। आपु हालदार ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह लगभग 300 से 500 रुपये तक आता था। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद पिछले महीनों से उनका बिजली बिल शून्य भी दर्ज हो रहा है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से घर की आवश्यकता से अधिक बिजली बचने पर अतिरिक्त बिजली गिड में जा रही है, जिसके कारण उनके बिजली खाते में क्रेडिट दर्ज हो रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना के लिए उन्हें कुल 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। इसमें 78 हजार रुपये केंद्र शासन तथा 30 हजार रुपये राज्य शासन की ओर से प्रदान किए गए हैं। योजना से मिली सब्सिडी के कारण सोलर पैनल लगवाना उनके लिए आसान हुआ और अब उन्हें बिजली खर्च में राहत मिल रही है।

मोदी की गारंटी निभाएं, दीपावली पर एरियर्स सहित डीए-डीआर दे साय सरकार – नामदेव

रायपुर। राष्ट्र प्रथम विचारधारा के अनुगामी राष्ट्रवादी संगठन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ के प्रताप्यक्ष एवं वरिष्ठ कर्मचारी नेता वीरेन्द्र नामदेव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से कर्मचारियों को दीपावली पर महंगाई भत्ता (डी.ए.) तथा पेंशनरों को महंगाई राहत (डी.आर.) का भुगतान केंद्र सरकार की देय तिथि से करने और लॉबिड एरियर जारी करने की मांग की है और इसे सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित कर उनसे मांगपूर्ति का आग्रह किया है। श्री नामदेव ने एक बार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह के नाम से फेसबुक पर फर्नी आईडी बनाने का आरोप है, जबकि दूसरे पर शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 88 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज है। रेंज पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों को तकनीकी साक्ष्यों के विरलेषण के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना

यूनिटी मेटा टोकन में भारी मुनाफे का लालच, खेत बेचकर लगाए 11.60 लाख रुपये; तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। डिजिटल टोकन में निवेश कर कम समय में भारी मुनाफ़ कमाने का लालच देकर 11 लाख 60 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में रायगढ़ साइबर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यूनिटी मेटा टोकन और बीड क्राइन में निवेश के नाम पर ओडिशा निवासी एक युवक से रकम ली गई, लेकिन उसे न तो मुनाफ़ मिला और न ही मूल राशि वापस की गई। पीड़ित ने निवेश के लिए अपना खेत तक बेच दिया था। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रकरण में साइबर थाना रायगढ़ में अपराध क्रमांक 16/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 3(5) में अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बैंक खातों के लेन-देन और मोबाइल फ़ोन से संबंधित साक्ष्यों का विश्लेषण किया। पुलिस अब इस मामले में रकम के आगे के लेन-देन और अन्य संभावित सॉलिस लोगों को भूमिका की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में हॉकी के नए युग का आगाज़

देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर हो रहा आयोजन

■ छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की गूँज पूरे राज्य में चलो रे संगी हॉकी खेलबो के रूप में गूँजेगी उप मुख्यमंत्री तथा खेल

■ दिग्गजों के मार्गदर्शन और युवा जोश से सजी देश की पहली अनोखी छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का भव्य शुभारंभ

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सरकार की एक अनूठी और दूरदर्शी पहल के तहत छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को एक नया और पेशेवर आयाम देने वाली देश की पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रंगारंग और भव्य शुभारंभ रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया गया। चलव रे संगी हॉकी खेलबो के जीवंत उद्घोष के साथ

फर्जी व्हाट्सप्प प्रोफाइल बनाकर 2 करोड़ रूपए की साइबर ठगी...

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जहाँ ठगों ने कंपनी के अधिकृत अधिकारी के नाम से फर्जी व्हाट्सप्प प्रोफाइल बनाकर वंकाल केबल्स एंड ट्रांसमिशन लिमिटेड से 2 करोड़ रुपये ठग लिए। कंपनी का कार्यालय तेलीबांधा स्थित मैग्नेटो मॉल में है। ठगी का पता चलते ही कंपनी ने बैंक और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की, जिसके बाद करीब 1 करोड़ रुपये होल्ड करने में सफलता मिली। मामले में तेलीबांधा पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ओमकार वरु की शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने कंपनी के अधिकृत अधिकारी के मोबाइल नंबर और फोटो का इस्तेमाल कर व्हाट्सप्प पर फर्जी प्रोफाइल बनाई। इसके बाद कंपनी के फहर्नेस विभाग के कर्मचारियों को नए वैंडर के खाते में तत्काल 2 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का संदेश भेजा गया। संदेश को अधिकारी का निर्देश समझकर कर्मचारियों ने

ऑपरेशन साइबर शील्ड शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 88 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत रायपुर रेंज पुलिस ने दो अंतरराज्यीय आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह के नाम से फेसबुक पर फर्नी आईडी बनाने का आरोप है, जबकि दूसरे पर शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 88 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज है। रेंज पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों को तकनीकी साक्ष्यों के विरलेषण के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना

शुरू हुई इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियनों, दिग्गज खिलाड़ियों और छत्तीसगढ़ के उभरते युवा खिलाड़ियों का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन से राज्य के खेल जगत में प्रतिस्पर्धा का एक बिल्कुल नया दौर शुरू हो गया है, जो स्थानीय प्रतिभागों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने का सुनहरा अवसर देगा। इस गरिमामयी उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री डॉ.रक्षा निखिल खड़से ने की। समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा, समारोह में राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष श्री चन्द्रहास चंद्राकर और खेल विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, छत्तीसगढ़ हाकी लीग के ब्रांड एंबेसडर सरदार सिंह, पूर्व



अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री राजेश चौहान सहित कई गणमान्य नागरिक और खेलप्रेमी भारी संख्या में मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खड़से ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आने का यह उनका दूसरा अवसर है, इससे पहले वे बस्तर में खेलो इंडिया ट्राइबल खेल के आयोजन के दौरान यहाँ आई थीं। उन्होंने देश की खेल प्रगति पर प्रकाश डालते हुए

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सारणी निर्धारित

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर-2027) की समय-सारणी निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण 2 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने अथवा अन्य दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है। पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है

रायपुर मंडल ने किया सांस्कृतिक प्रतियोगिता गंग - तरंग 2.0 का आयोजन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारी एवं उनके आश्रितों की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से अंतरा मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'गंग - तरंग 2.0' के अर्तगत शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट खारून रेल विहार, रेलवे कॉलोनी रायपुर तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सामुदायिक भवन डबल्यु आर.एस. कॉलोनी रायपुर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जगमग मीना मुख्य लॉ अधिकारी, रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ मौ. सरस्वती की प्रतिभा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन मे मुख्य अतिथि महोदय ने सभी रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने हेतु प्रेरित कर सभी प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनाएं दी। विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं मे कुल 85 कलाकारों ने अपनी भागीदारी दी। जहाँ एक ओर शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, के कलाकारों ने अपनी प्रतिभाओं से सभी को अतयंत मोहित किया तथा वहीं दूसरी ओर लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन की प्रतियोगिता मे कलाकारो की गायिकी ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को और अधिक रोचक बना दिया।

दीपक बैज बोले—जनता पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ पटवारी हड़ताल और भर्ती प्रक्रिया में देरी पर भी जताई चिंता-दीपक

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश में बस किराए में वृद्धि, बिजली बिल में अतिरिक्त कोयला प्रभार, पटवारीयों की हड़ताल और भर्ती परीक्षाओं के स्थगित होने सहित विभिन्न मुद्दों पर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित किया। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने इन विषयों को आम जनता, किसानों, विद्यार्थियों और युवाओं से जुड़ा बताते हुए सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की। बैज ने बस किराए में एक साल के भीतर दूसरी बार वृद्धि किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि

आगे बढ़कर युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि युवाओं की ऊर्जा और ताकत से ही देश का भविष्य मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वह दिन दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ को देश के एक प्रमुख खेल गढ़ के रूप में जाना जाएगा। समारोह के अति विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री श्री अरुण साव ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि इस छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की गूँज पूरे राज्य में चलो रे संगी हॉकी खेलबो के रूप में गूँजेगी और आज का यह ऐतिहासिक अवसर हम सभी के लिए अत्यंत यादगार रहेगा। उन्होंने बड़े गर्व के साथ याद दिलाया कि आज ही के दिन, ठीक 25 साल पहले भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने विश्व कप जीता था, और उसी स्वर्णिम विजेता टीम के सम्मानित सदस्य श्री देवेश चौहान इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। श्री साव ने कहा कि राज्य में हॉकी के खेल को उत्कृष्ट और पेशेवर स्तर पर स्थापित करने में यह प्रतियोगिता मील का पत्थर साबित होगी।

दीपक बैज बोले—जनता पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

पटवारी हड़ताल और भर्ती प्रक्रिया में देरी पर भी जताई चिंता-दीपक

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश में बस किराए में वृद्धि, बिजली बिल में अतिरिक्त कोयला प्रभार, पटवारीयों की हड़ताल और भर्ती परीक्षाओं के स्थगित होने सहित विभिन्न मुद्दों पर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित किया। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने इन विषयों को आम जनता, किसानों, विद्यार्थियों और युवाओं से जुड़ा बताते हुए सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की। बैज ने बस किराए में एक साल के भीतर दूसरी बार वृद्धि किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि



महंगाई के बीच किराया बढ़ने से मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों और रोजाना यात्रा करने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। कांग्रेस ने सरकार से किराया वृद्धि पर पुनर्विचार करने और आम यात्रियों को राहत देने की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बिजली

जिले में 289 से अधिक परिवारों ने छत पर सोलर संयंत्र स्थापित कर पाया बिजली बिल से छुटकारा



■ 75 हजार 21 करोड़ रुपये के बजट वाली इस केंद्रीय योजना से हर घर बन रहा ऊर्जा-आत्मनिर्भर

■ पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुई छत्तें

रायपुर/ संवाददाता

स्वच्छ और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का नारायणपुर जिला एक नई मिसाल पेश कर रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में पारंपरिक बिजली पर निर्भरता तेजी से घट रही है। अब तक जिले के 289 से अधिक परिवारों ने अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर न केवल बिजली बिल से राहत पाई है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। नारायणपुर शहर के जागरूक 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में पारंपरिक बिजली पर निर्भरता तेजी से घट रही है। अब तक जिले के 289 से अधिक परिवारों ने अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर न केवल बिजली बिल से राहत पाई है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। नारायणपुर शहर के जागरूक 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में पारंपरिक बिजली पर निर्भरता तेजी से घट रही है। अब तक जिले के 289 से अधिक परिवारों ने अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर न केवल बिजली बिल से राहत पाई है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। नारायणपुर शहर के जागरूक 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में पारंपरिक बिजली पर निर्भरता तेजी से घट रही है। अब तक जिले के 289 से अधिक परिवारों ने अपने घरों की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित

करवाया। सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद जब अगस्त माह का विद्युत बिल आया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहाकुउनका अगस्त माह का बिजली बिल पूरी तरह 'शून्य' (0 रुपये) था। गुलाब सिंह चौहान बताते हैं कि 'सोलर पैनल लगवाने से हमारे घर की न केवल निर्बाध बिजली मिल रही है, बल्कि बिजली बिल की चिंता भी पूरी तरह समाप्त हो गई है। यह योजना आर्थिक बचत के साथ-साथ प्रकृति को बचाने का बेहतरीन माध्यम है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 फरवरी 2024 को शुरू की गई इस राष्ट्रीय योजना का लक्ष्य देश के 1 करोड़ परिवारों को रूफटॉप सोलर प्रणाली से जोड़ना है। केंद्र सरकार ने इस योजना के लिए 75,021 करोड़ रुपये का विशाल बजट निर्धारित किया है। पात्र परिवारों को छतों पर सोलर प्लांट लगाने पर सीधे बैंक खाते में केंद्रीय सब्सिडी (वित्तीय सहायता) प्रदान की जाती है। उत्पादित अतिरिक्त बिजली को गिड में भेजकर उपभोक्ता अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को खुद पूरा कर सकते हैं। नारायणपुर जिले में 289 से अधिक घरों पर स्थापित सोलर संयंत्र यह सिद्ध करते हैं कि दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में भी नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। छतों पर लगे ये सोलर पैनल पारंपरिक कोयला-आधारित बिजली पर निर्भरता कम करते हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आती है।

संपादकीय

कामजोंग और उखरुल की ताजा हिंसा से मणिपुर में शांति के प्रयास फिर नाकाम साबित हुए हैं। मैतेई-कुकी के बीच अविश्वास और सुरक्षा की कमी से राज्य में हालात गंभीर बने हुए हैं। मणिपुर में फिर से तेज हो रही हिंसक घटनाएं इस बात का संकेत है कि राज्य में शांति एवं सौहार्द की कमजोर पड़ी नींव को नए सिरे से मजबूत

करने के प्रयासों को धरातल पर उतारने में संवेदनशीलता, तत्परता और गंभीरता का अभाव बना हुआ है।लंबे समय से जातीय तनाव, आपसी अविश्वास और टकराव का सामना कर रहे इस राज्य में हालात सामान्य होने की उम्मीदें बार-बार टूटती रही हैं। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी जिलों में शुरू हुई हिंसा में

नौ लोगों की मौत हो गई।ऐसे में यह सवाल अहम है कि आखिर राज्य में हिंसा का सिलसिला क्यों नहीं थम रहा? सरकार के तमाम दावों के बावजूद शांति बहाली की कोशिशें सतही क्यों साबित हो रही हैं? सुरक्षाबलों की इतनी बड़ी तैनाती के बावजूद अगर हिंसक घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है, तो इसे किस तरह देखा जाएगा।

जाहिर है, आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के साथ-साथ जातीय संघर्ष की जड़ में जाकर समाधान के रास्ते तलाशने होंगे। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई, 2023 में शुरू हुए जातीय संघर्ष ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाई है। तब हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों की

जान गई थी और हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। ऐसे हालात में हिंसा की कोई भी नई घटना तनाव को फिर बढ़ा देती है। हिंसा के लगातार बने रहने के पीछे दोनों समुदायों के बीच भरोसे की कमी, विस्थापित लोगों की घर वापसी, सुरक्षा और पुनर्वास जैसे मसलों का स्थायी हल न हो पाना है।इसके अलावा

जमीन, पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े विवादों ने भी समस्या को जटिल बना दिया है। शांति बहाली के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि हिंसा के मामलों की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों को सजा मिले तथा स्थानीय समुदायों और सामाजिक प्रतिनिधियों को विश्वास बहाली के प्रयासों में शामिल किया जाए।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है।

(ललित गर्ग) आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन को छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असौमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध



निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साथ उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन चुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संबंध में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक

अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अभूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैस्टैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध

तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएँ, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएँ, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है। जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वभावधिक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता। अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए।

दुनिया पर ‘डीप स्टेट’ के टूलकिट का कसता शिकंजा

‘डीप स्टेट’ का इतिहास कोई नया अধ্যाय नहीं है। बीसवीं सदी के मध्य में शीतयुद्ध के दौर से ही शक्तिशाली राष्ट्रों की गुप्तचर एजेंसियों, कॉर्पोरेट घरानों और नीति-निर्माताओं के एक गठजोड़ ने लगभग सभी देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया था। सन् 1953 में ईरान में चुनी हुई मोहम्मद मोसदेक की सरकार का तख्तापलट हो या सन् 1973 में चिली में साल्वाडोर अलेंदे की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना। सभी घटनाएं इस बात की ऐतिहासिक गवाह हैं कि किस प्रकार पर्दे के पीछे से सत्ता परिवर्तन के षड्यंत्र रचे जाते रहे हैं। समय के साथ इस अनधिकृत तंत्र का विस्तार होता गया।

(डा. रवीन्द्र अजरजिया)

इक्कीसवीं सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक राजनीति और संप्रभुता के समक्ष सबसे बड़ा संकेत पारंपरिक युद्ध नहीं बल्कि अदृश्य ताकतों द्वारा संचालित छद्म युद्ध है। किसी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को बिना एक भी गोली चलाए भीतर से ध्वस्त कर देना आज का नया युद्ध कौशल बन चुका है। इसी गुप्त और बिनाशकारी रणनीति के केंद्र में है ‘डीप स्टेट’ अर्थात् एक ऐसा अदृश्य, अनधिकृत और समानांतर तंत्र जो चुपचाँ हुई सरकारों को कठपुतली बनाकर या उनका तख्तापलट करके अपने निहित स्वार्थों को साधता है। ऐतिहासिक संदर्भों से लेकर वर्तमान की वैश्विक घटनाओं तक में इस गुप्त संगठन ने जन-विरोध और ‘टूलकिट’ जैसे रणनीतिक हथियारों का प्रयोग करके जिस अराजकता का बीजारोपण किया है वह वैश्विक शांति और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए गंभीर चेतावनी है। ‘डीप स्टेट’ का इतिहास कोई नया अধ্যाय नहीं है।

बीसवीं सदी के मध्य में शीतयुद्ध के दौर से ही शक्तिशाली राष्ट्रों की गुप्तचर एजेंसियों, कॉर्पोरेट घरानों और नीति-निर्माताओं के एक गठजोड़ ने लगभग सभी देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया था। सन् 1953 में ईरान में चुनी हुई मोहम्मद मोसदेक की सरकार का तख्तापलट हो या सन् 1973 में चिली में साल्वाडोर अलेंदे की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना। सभी घटनाएं इस बात की ऐतिहासिक गवाह हैं कि किस प्रकार पर्दे के पीछे से सत्ता परिवर्तन के



षड्यंत्र रचे जाते रहे हैं। समय के साथ इस अनधिकृत तंत्र का विस्तार होता गया। इसमें केवल सशक्त देशों की गुप्तचर संस्थाएं ही नहीं बल्कि बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांन, वैश्विक थिंक टैंक, हथियार निर्माता कंपनियां, प्रभाव रखने वाले गैर-सरकारी संगठन और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क ने भी कंधे से कंधा मिलाया।

इस शक्तिशाली गठजोड़ का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के देशों में अपना कठपुतली शासन स्थापित करके प्राकृतिक संसाधनों, बाजार और रणनीतिक भू-राजनीतिक स्थितियों पर नियंत्रण जमाना होता है। बीते कुछ वर्षों में इस ‘डीप स्टेट’ ने अपने तौर-तरीकों में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव किया

है। अब वह सीधे सैन्य हस्तक्षेप या पारंपरिक तख्तापलट के बजाय असंतोष की नई पीढ़ी यानी ‘जेन-जी’ और युवाओं को मोहरा बना रहा है। इसका सबसे स्पष्ट और बिनाशकारी उदाहरण भारत के पड़ोसी देशों में देखने को मिल चुका है।

नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में जन-आक्रोश की चिंगारी को इस अदृश्य तंत्र ने सुनियोजित तरीके से हवा दी। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन से शुरू हुआ छात्रों का प्रदर्शन रातों-रात एक हिंसक तख्तापलट में बदल गया, जिसने सन् 1971 के बाद से बनी स्थिर शासन व्यवस्था को पूरी तरह उखाड़ फेंका। इस पूरे घटनाक्रम में विदेशी फंडिंग, सुनियोजित नैरेटिव और रणनीतिक

टूलकिट के जरिए सोशल मीडिया पर जन-भावनाओं को भड़काया गया। ठीक इसी प्रकार नेपाल में भी राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए युवाओं के बीच असंतोष का सुनियोजित इस्तेमाल किया गया। इतिहास की गवाही पर यह स्पष्ट होता है कि ‘डीप स्टेट’ अब बिना किसी प्रत्यक्ष युद्ध के केवल वैचारिक और मनोवैज्ञानिक माध्यमों से किसी भी देश की व्यवस्था को पंगु बनाने में सक्षम हो चुका है।

अराजकता फैलाने का यह खेल केवल विकासशील या एशियाई देशों तक ही सीमित नहीं है। पश्चिमी दुनिया के वे देश जो स्वयं को लोकतंत्र और स्थिरता का गढ़ मानते हैं, वे भी इस अदृश्य चक्रव्यूह की चपेट में आ

चुके हैं। हाल के समय में फ्रांस जैसे शक्तिशाली और समृद्ध यूरोपीय देश में जिस प्रकार छात्रों और युवाओं को माध्यम बनाकर सड़कों पर अराजकता फैलाई गई, उससे ‘डीप स्टेट’ के स्लीपर सेल की पहुंच की बानगी मिल जाती है। फ्रांस में कथित नागरिक असंतोष को एक संगठित आंदोलन का रूप देकर राजकीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया और देश की प्रशासनिक व्यवस्था को ठप करने का प्रयास किया गया। जब पश्चिमी यूरोप के सशक्त संवैधानिक ढांचे वाले देश भी इस योजनाबद्ध उपद्रव से खुद को नहीं बचा पा रहे हैं।

इस पूरे तंत्र का सबसे शक्तिशाली हथियार बना है डिजिटल टूलकिट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म। राजनीतिक लाभ और आर्थिक वचस्व के लिए धनबल के सहारे सोशल मीडिया के माध्यम से भीड़बल जुटाकर अराजकता फैलाई जाती है। टूलकिट वास्तव में एक ऐसा पूर्व-निर्धारित डिजिटल दस्तावेज या निर्देश-पत्र होता है जिसमें कब, क्या, कैसे और किस हैस्टैग के साथ क्या पोस्ट करना है, का पूरा विवरण होता है। सुनियोजित षड्यंत्र के तहत फेक न्यूज और भ्रामक जानकारीयों को सोशल मीडिया सहित अन्य प्रचार माध्यमों से प्रसारित-प्रकाशित की जाती है। समाज में विभिन्न वर्गों के बीच अविश्वास की खाई को चौड़ा किया जाता है। अरबों डॉलर के निवेश से संचालित होने वाला यह नेटवर्क आम जनता तक सत्य के स्थान पर अपनी पूर्वनिर्धारित षड्यंत्रकारी जानकारीयें पहुंचाकर अराजकता फैलाने का काम करता है।

शहीद स्मृति दिवस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने शहीद जवानों को किया नमन

अमर शहीद वाटिका में अर्पित की श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों से मेट कर जाना झलजाल

जगदलपुर, पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने जगदलपुर स्थित अमर शहीद वाटिका में वीर शहीद पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस दौरान उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान राष्ट्र सदैव याद रखेगा। उनका अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठ और देश के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इन वीर सपूतों ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे कभी भुलाया



नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोने का दुःख अपूरणीय होता है। इसके बावजूद शहीद जवानों के परिजनों का धैर्य, साहस और राष्ट्र के प्रति सम्मान हम सभी को प्रेरणा देता है। इन परिवारों का त्याग भी राष्ट्र के प्रति समर्पण की एक मिसाल है। शहीदों की स्मृतियों को संजोना और उनके परिजनों के प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान बनाए रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि पुलिस के जवान विषम

परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। समाज में शांति स्थापित करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून का शासन बनाए रखने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस स्मृति दिवस उन वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर चलते हुए देश और समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके आदर्शों को

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 अक्टूबर को जगदलपुर प्रवास सिरहासार के ऐतिहासिक मुरिया दरबार और लालबाग की आमसभा में होंगी शामिल

वन मंत्री केदार कश्यप ने लालबाग में लिया तैयारियों का जायजा

जगदलपुर, महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आगामी 23 अक्टूबर को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के एकदिवसीय महत्वपूर्ण प्रवास पर आ रही हैं। अपने इस ऐतिहासिक दौर के दौरान राष्ट्रपति सिरहासार भवन में आयोजित पारंपरिक मुरिया दरबार में शिरकत करेंगी तथा इसके बाद लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन को ध्यान में रखते हुए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने लालबाग मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, बैरक व्यवस्था, वीआईपी दीर्घा, सुरक्षा घेरा, यातायात प्रबंधन



और आम नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े तमाम बिंदुओं की बारीकी से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पाण्डे सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस

बहीगाँव में भक्तिमय माहौल में मनाया गया नवरात्रि और दशहरा पर्व

बहीगाँव। ग्राम बहीगाँव में शारदीय नवरात्रि का पर्व नौ दिनों तक पूरे श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान गाँव का वातावरण माता रानी की भक्ति में सरगंजोर रहा। प्रतिदिन माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से श्रद्धालुओं ने माता के नै स्वस्व्यों की आराधना की। पूरे नौ दिनों तक गाँव में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने सुख, शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना करते हुए माता रानी के चरणों में अपनी आस्था अर्पित की। नवरात्रि के समापन के पश्चात दशहरा पर्व भी पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के जीवन और धर्म की विजय का संदेश देने वाली रामलीला का मंचन किया



गया। रामलीला के माध्यम से कलाकारों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। रामलीला देखने के लिए ग्रामीणों में विशेष उत्साह रहा। रावण दहन के साथ दिया अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश-दशहरा पर्व के अवसर पर रावण दहन किया गया। रावण के पुतले के दहन के साथ ही पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकारों से



गूंज उठा। रावण दहन बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक बना। इस अवसर ने ग्रामीणों को यह संदेश दिया कि जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न आएँ, अंततः विजय सत्य, धर्म और सदाचार की ही होती है। माँ दुर्गा की विदाई के समय भावुक हुए श्रद्धालु-दशहरा उत्सव के पश्चात माँ दुर्गा की प्रतिमा को घूमघाम से विदाई दी गई। नौ दिनों तक माता रानी की सेवा, पूजा-अर्चना और आराधना में लीन रहे श्रद्धालुओं के लिए विदाई का क्षण भावुक कर देने वाला रहा। माँ दुर्गा के जयकारों, भक्ति गीतों और श्रद्धा से भरे वातावरण के बीच भक्तों ने माता रानी को विदाई देते हुए अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना की।



पंकज चन्द्रा (दुष्क), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा, उप पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बघेल, रक्षित निरीक्षक मनीष राजपूत, रक्षित निरीक्षक मुकेश जोशी सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने शहीदों के अदम्य साहस, वीरता, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।

राखने के अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लेने का दिन भी है। हॉट सिंग्स के वीर शहीदों की स्मृति में मनाया जाता है दिवस-उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को देशभर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1959 में लद्दाख के हॉट सिंग्स क्षेत्र में देश की सीमाओं की सुरक्षा के दौरान चीनी सैनिकों के हमले में शहीद हुए 10

पुलिसकर्मियों की स्मृति में इस दिवस की शुरुआत हुई थी। इस दिन देशभर में कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वीर शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासन और जनसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

219वीं बटालियन, सीआरपीएफमें पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया एवं पी.आई. प्रशिक्षण के पांचवें बैच का समापन समारोह आयोजित किया गया

कोटा। सीआरपीएफ 219वीं बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा इंजमर मुख्यालय में पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कर्मवीर सिंह यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, कमाण्डेंट (ह्वर), सहित उपस्थित सभी अधिकारीगण एवं जवानों ने वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन धारण किया।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि कर्मवीर सिंह यादव ने 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट सिंग्स में सीआरपीएफ के जवानों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं सर्वोच्च बलिदान के गौरवशाली इतिहास से सभी कार्मिकों को अवगत कराया। उन्होंने जवानों को



निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इसी अवसर पर बटालियन मुख्यालय में संचालित किये जा रहे पी.आई. प्रशिक्षण के पांचवें बैच का समापन समारोह भी आयोजित किया गया। राजेश पांडे, डीआईजी (पी), कोटा रेंज के मार्गदर्शन एवं पार्थ

सारथी घोष, कमाण्डेंट, 219वीं बटालियन के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोटा रेंज की विभिन्न बटालियनों के कुल 235 कार्मिकों ने सफ़सलापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया।प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को आई.ई.वी. की पहचान एवं रोकथाम, हथियार संचालन, मानचित्र अध्ययन, जंगलों में

गम्हरी में नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई, रावण दहन के साथ गुंजा धर्म की विजय का संदेश

गम्हरी। शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की भक्ति, आराधना और जयकारों से गुंजायमान रहने वाला ग्राम गम्हरी का वातावरण उस समय भावुक हो उठा, जब श्रद्धालुओं ने मां जगत जननी की प्रतिमा को नम आंखों से विदाई दी। माता रानी की विदाई के दौरान भक्तों ने अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना करते हुए गांव में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। वहीं, विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रामलीला मंचन और रावण दहन ने पूरे गांव में उत्साह का माहौल बना दिया। धार्मिक आयोजन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। ग्राम गम्हरी में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना



की परंपरा पिछले 20 वर्षों से निरंतर चली आ रही है। इस वर्ष भी नवरात्रि के दौरान विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती कर श्रद्धालुओं ने माता रानी के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की। नौ दिनों तक गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से परिवार, गांव और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। नवरात्रि के समापन पर प्रतिमा विसर्जन के

एकता का प्रतीक बन चुकी है। रामलीला मंचन ने मोहा मन, रावण दहन से मिला संदेश-विजयादशमी के पावन अवसर पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को ग्राम गम्हरी में जहूरिया श्रृंगार युवा समिति, धामनपुरी के तत्ववधान में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम और रावण के प्रसंगों पर आधारित रामलीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से राधायण के प्रमुख प्रसंगों को जीवंत किया, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं में उत्साह रहा। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

बचेली में नूजल भूमि पर पांच और कब्जे, कार्रवाई के नाम पर चुप्पी क्यों? नगरपालिका स्ट्रुक्चर और SDM की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल!

बचेली में अतिक्रमण पर कार्रवाई में भेदभाव के आरोप! एक ठेकेदार पर चला बुलडोजर, पांच अन्य कब्जों पर प्रशासन मौन क्यों?

बचेली। नगर में नूजल भूमि पर अतिक्रमण को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली अब सवालियों के घेरे में नजर आ रही है। हाल ही में एक ठेकेदार के कथित अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई के बाद नगरपालिका और प्रशासन की सक्रियता चर्चा में है। लेकिन सवाल यह है कि यदि नूजल भूमि से कब्जा हटाना प्रशासन की प्राथमिकता है, तो वार्ड क्रमांक 8 और 9 के आसपास स्थित अन्य पांच कथित अतिक्रमणों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि नगर में नूजल भूमि पर केवल एक ही व्यक्ति का कब्जा नहीं है, बल्कि पांच अन्य लोगों द्वारा भी सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। इसके बावजूद इन मामलों में अब तक कार्रवाई नहीं होने से प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक पर कार्रवाई, पांच पर



चुप्पी क्यों?-एक ठेकेदार के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई के बाद अब स्थानीय लोग प्रशासन से यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अतिक्रमण हटाने का नियम सभी पर समान रूप से लागू होगा? यदि अन्य पांच स्थानों पर भी नूजल भूमि पर कब्जे की शिकायतें हैं, तो संबंधित मामलों में कार्रवाई की स्थिति सामंजसिक क्यों नहीं की जा रही है? ग्रामीणों का कहना है कि जब अनुविभागीय अधिकारी से इन



मामलों के संबंध में सवाल किया जाता है, तो प्रकरण दर्ज होने की बात कही जाती है। हालांकि, ग्रामीणों का दावा है कि संबंधित पांच ठेकेदारों को नूजल भूमि से हटाया गया था। ग्रामीणों का दावा है कि उस समय उन्हें मुआवजा भी दिया गया था। इसके बावजूद अब दोबारा उसी भूमि पर कब्जा किए जाने के आरोप लग रहे हैं। यदि ग्रामीणों के ये दावे सही हैं, तो यह गंभीर जांच का विषय है कि पहले हटाए गए



अतिक्रमण दोबारा कैसे स्थापित हो गए और संबंधित भूमि पर दोबारा कब्जा होने के बाद प्रशासन ने क्या कदम उठाए? नगरपालिका स्ट्रुक्चर और स्ट्रुक्चर की भूमिका पर सवाल-नगरपालिका सीएमओ और अनुविभागीय अधिकारी की जिम्मेदारी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई हो और सभी मामलों में एक समान प्रक्रिया अपनाई जाए। ऐसे में सवाल उठाना लाजिमी है कि क्या वार्ड क्रमांक 8 और 9 में स्थित सभी कथित अतिक्रमणों की जांच की गई है? यदि जांच या प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है, तो अब तक क्या कार्रवाई हुई? और यदि पहले हटाए गए कब्जे दोबारा किए गए हैं, तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई क्यों नहीं की गई? हालांकि, प्रशासन की ओर से इन पांच कथित अतिक्रमणों और दोबारा कब्जे के



आरोपों पर विस्तृत आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। अब जिला प्रशासन को देना होगा जवाब-बचेली में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तभी निष्पक्ष मानी जाएगी, जब सरकारी भूमि पर हुए सभी कथित कब्जों की जांच कर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। केवल एक स्थान पर कार्रवाई कर बाकी मामलों को अनदेखा करने की शिकायतें यदि सही हैं, तो यह प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है-क्या बचेली में नूजल भूमि से सभी अवैध कब्जे हटाए जाएंगे, या कार्रवाई केवल चुनिंदा अतिक्रमणकारियों तक ही सीमित रहेगी? नगरवासियों को अब नगरपालिका सीएमओ और अनुविभागीय अधिकारी की ओर से स्पष्ट जवाब और सभी कथित अतिक्रमणों पर निष्पक्ष कार्रवाई का इंतजार है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण
का निरीक्षण वितीय अनुशासन और पारदर्शिता के साथ समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला कोषालय का छमाही निरीक्षण किया। उन्होंने डबल लॉक व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करने के साथ संबंधित पंजियों एवं अभिलेखों की जांच की और कोषालय के कामकाज की समीक्षा की। कलेक्टर ने स्ट्याम एवं टिकटों के संधारण, बिल पारित करने की प्रक्रिया, पेंशन भुगतान तथा लेखा संबंधी कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने वितीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने तथा बिलों और पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री बसंत गुलेरी, सहायक कोषालय अधिकारी श्री सुजीत कुमार पात्रे, खर्जांची श्री जानू भास्कराज, श्री के.के. यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

पेंड्रा से बेंकटनगर की ओर आवागमन होगा सुगम, 3 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 4.77 करोड़ रुपए स्वीकृत

गौरेला पेंड्रा मरवाही। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले में सड़क अधोसंरचना के विकास एवं आम नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विभाग द्वारा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गिरवर से पेंड्रा पहुंच मार्ग के 3 किलोमीटर लंबाई में सड़क निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 77 लाख 83 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस सड़क के निर्माण से विशेष रूप से पेंड्रा से बेंकटनगर की ओर आने-जाने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों एवं अन्य यात्रियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। सड़क मार्ग के सुदृढ़ होने से आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगा। साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जिला मुख्यालय तथा अन्य प्रमुख स्थानों तक पहुंच बेहतर होगी। कृषि उपज के परिवहन, व्यापारिक गतिविधियों एवं दैनिक आवागमन में भी सहूलियत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी स्वीकृति आदेश के अनुसार सड़क निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। विभागीय अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर नियमानुसार निर्दिष्ट प्रक्रिया तथा निर्माण कार्य की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क सुविधा का विस्तार होगा। यह कार्य जिले में आधारभूत सुविधाओं के विकास और आम नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जिला स्तरीय प्रतियोगिता आज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एनसीएससी) 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय बाल विज्ञान प्रियोजना प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार 23 अक्टूबर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा में किया गया है। प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थी अपनी वैज्ञानिक परियोजनाओं का निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुतिकरण करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, नवाचार एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित करना तथा स्थानीय समस्याओं का वैज्ञानिक पद्धति से समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं का अध्ययन, विश्लेषण एवं वैज्ञानिक निष्कर्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए गठित निर्णायक मंडल द्वारा पूर्व में 10 अक्टूबर को प्राप्त प्रोजेक्ट फ़ाइलों का अध्ययन एवं परीक्षण कर उत्कृष्ट एवं नवाचारी परियोजनाओं के चयन की प्रक्रिया की गई है। चयनित विद्यार्थी प्रतियोगिता में अपनी परियोजनाओं की वैज्ञानिक अवधारणा, कार्यप्रणाली, अध्ययन के परिणाम एवं निष्कर्ष प्रस्तुत करेंगे। निर्णायक मंडल द्वारा परियोजनाओं का मूल्यांकन विषय की प्रासंगिकता, समस्या की समझ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान पद्धति, आंकड़ों के विश्लेषण, निष्कर्ष एवं प्रस्तुतीकरण क्षमता के आधार पर किया जाएगा। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को निखारने तथा स्थानीय संसाधनों एवं समस्याओं पर आधारित नवाचार को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्चतर स्तर पर अपनी वैज्ञानिक क्षमता प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

बरसात के गड्डों से मिलेगी राहत,सड़कों की मरम्मत शुरू

■ उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने शुरू किया काम

■ प्रमुख मार्गों पर होगा डामर मजबूतीकरण, शहर के साथ ग्रामीण सड़कों की भी सुधरेगी स्थिति

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर बिलासपुर में बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के गड्डों को भरने और क्षतिग्रस्त हिस्सों को सुधारने के लिए पैचवर्क किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रमुख मार्गों पर डामरीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। इन कार्यों से नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी



और आवागमन सुगम होगा। लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामतला पहुंच मार्ग तथा महामाया चौक से सेंदरी मार्ग पर डामर मरम्मत का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इन मार्गों के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर सड़क की सतह सुधारी जा रही है। बरसात में प्रभावित अन्य सड़कों पर भी पैचवर्क कर गड्डे भरे जाएंगे। विभाग

किसानों के द्वार पहुँचेगा वैज्ञानिक ज्ञान

घुटकु में कृषि सूचना केंद्र-सह-प्रदर्शनी का शुभारंभ....

■ आधुनिक कृषि तकनीकों, मृदा परीक्षण, जैव उर्वरकों एवं समेकित कीट प्रबंधन पर किसानों को मिली महत्वपूर्ण जानकारी

बिलासपुर। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा कृषि संबंधी नवीनतम जानकारीयों को गाँव तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम घुटकु स्थित महतारी सदन में कृषि सूचना केंद्र-सह-प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एन. के. चौरे एवं जनपद सदस्य श्री रवि

कुमार सोनी ने फ़ीता काटकर किया। इस अवसर पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, जैविक आदानों, फसल सुरक्षा तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। वैज्ञानिक खेती से समृद्धि की ओर बढ़ेंगे किसान – कार्यक्रम में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हेम प्रकाश वर्मा ने अतिथियों, कृषकों एवं ग्रामवासियों का स्वागत करते हुए कहा कि कृषि सूचना केंद्र किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच एक प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने पारंपरिक कृषि ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के समन्वय पर बल देते हुए कहा कि बदलते कृषि परिदृश्य में नवाचार, तकनीकी जागरूकता तथा संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को कृषि क्षेत्र में आगे आने, कृषि आधारित स्वरोजगार अपनाने तथा खेती



को लाभकारी उद्यम के रूप में विकसित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, हरित क्रांति की भावना को आगे बढ़ाते हुए उत्पादन के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने का संदेश दिया। फसल विविधीकरण और मृदा स्वास्थ्य पर विशेष जोर – कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के

अधिष्ठाता डॉ. एन. के. चौरे ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और खेती को टिकाऊ बनाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सीमित कृषि भूमि में लाभकारी फसलों के चयन तथा मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग को विशेष रूप से महत्वपूर्ण

बताया। उन्होंने किसानों को ट्रॉप डॉक्टर ऐप जैसे डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने तथा कृषि विज्ञान केंद्रों से नियमित तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करने की सलाह दी। डॉ. चौरे ने जैव उर्वरकों एवं जैव कीटनाशकों के समुचित उपयोग, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन तथा समेकित कीट प्रबंधन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों के विवेकपूर्ण उपयोग से उत्पादन लागत कम करने, मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा कृषि पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहायता मिल सकती है। प्रयोगशाला से खेत तक पहुँचे वैज्ञानिक तकनीकें – विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. एल. स्वामी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, लोमी में कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों में विकसित वैज्ञानिक तकनीकों का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होगा।

खरीफ की समीक्षा के साथ रबी की तैयारियों को मिलेगी दिशा...

■ कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी की अध्यक्षता में दो सत्रों में होगी समीक्षा

■ संभाग के सभी कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी होंगे शामिल

बिलासपुर। खरीफ सीजन की उपलब्धियों की समीक्षा और रबी की आगामी तैयारियों को व्यवस्थित रूप देने के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी की अध्यक्षता में 23 अक्टूबर को संभागीय



घायल होने की जानकारी सामने आई है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना का शिकार लाइन थाना क्षेत्र के मंगला इलाके की है। मंगलवार रात

आपसी रंजिश को लेकर कुछ युवकों का विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर एक घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए लोगों पर डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान घर में मौजूद महिलाओं और पुरुषों की पिटाई

की गई। विवाद शांत कराने का प्रयास कर रही बुजुर्ग महिला भी मारपीट की चपेट में आ गई। आसपास के लोगों के हस्तक्षेप के बाद किसी तरह स्थिति पर काबू पाया गया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शिकायत देकर सुरक्षा की मांग की। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि थाने में उन पर समझौता कर मामला खत्म करने का दबाव बनाया गया। हालांकि, इस आरोप पर पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, वीडियो के आधार पर मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल जारी है।

रप्राइज चेकिंग में पकड़ा गया मकान में चोरी का आरोपी, 70 हजार का सामान बरामद

बिलासपुर। सरकंडा पुलिस ने बंद मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरों सहित करीब 70 हजार रुपये का सामान चोरी करने के आरोप में 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया शत-प्रतिशत सामान बरामद किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, बालाजी पुरम कॉलोनी निवासी प्रशांत वर्मा पर भी निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाना है। इन कार्यों से शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचलों में भी आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। सड़कों की मरम्मत और मजबूतीकरण से दैनिक आवागमन करने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों एवं व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधार से यातायात अधिक सुगम होने के साथ सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी।

पेवर ब्लॉक घोटाले में भिलाई निगम के अभियंताओं को हाईकोर्ट से राहत



■ 29 अनुबंधों की जांच में 16.85 लाख रुपये का अधिक भुगतान मिलने का दावा, प्राकृतिक न्याय के पालन पर उठे सवाल

बिलासपुर। नगर निगम भिलाई में पेवर ब्लॉक निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर अभियंताओं के खिलाफशुरू की गई कार्रवाई पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायालय ने कलेक्टर दुर्ग के उस पत्र में दिए गए कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई और अधिक राशि की वसूली के निर्देशों तथा निगम के मुख्य अभियंता द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। मामला नगर निगम भिलाई की परियोजना शाखा के अंतर्गत वर्ष 2023 और 2024 में कराए गए पेवर ब्लॉक निर्माण कार्यों से जुड़ा है। इन कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंताओं से संयुक्त जांच कराई गई थी। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, 29 अनुबंधों की जांच में 21 अनुबंधों के तहत विभिन्न स्थानों पर माप पुरितका में अधिक मात्रा दर्ज की गई, जबकि मौके पर निर्माण कार्य की मात्रा कम पाई

बिना पक्ष सुने कार्रवाई शुरू करने पर आपति

याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता सिबाशीष मिश्रा के माध्यम से याचिका प्रस्तुत की। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति को.डी. गुरु के समक्ष हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी और अधिवक्ता जैनब मुस्ताफ वनक ने पक्ष रखा।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए वहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।



खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनजी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्क पीडीसी सेंटर और यूके के संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्क विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारु गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साईंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रही तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।



कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है? यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नीकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि ‘देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।’ यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खरौटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खरौटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीयों वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि ‘फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है’,

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सीलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती है।



कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि ‘उन्हें इतना सोने की जरूरत है।’ सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन. रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए। अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या केफीन का सेवन भूलकर भी न करें। धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है। कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं। अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है। जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अवसर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष खयाल रखें। सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है। एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके। ... तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।



सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे –

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सैंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन,

कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे –

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक
सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है
सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के

चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है। मांसपेशियों में ऐंठन से राहत सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्स्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। रक्तचाप को करे बैलेंस सेंधा नमक में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।



60 से अधिक गांवों के आंगा देवों का महासंगम, राजपरिवार ने की विशेष पूजा-अर्चना

कांकेर राजमहल में अनूठा दशहरा

● सदियों पुरानी परंपरा आज भी कायम, बाजे-गाजे के साथ राजमहल पहुंचे देवी-देवता; सुख-समृद्धि की कामना के साथ दिया सामाजिक एकता का संदेश



सदियों पुरानी परंपरा, आज भी बरकरार

कांकेर का दशहरा अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान के लिए जाना जाता है। यहां दशहरा केवल विजयादशमी का पर्व नहीं, बल्कि अंचल की आस्था, लोकपरंपराओं और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। परंपरा के अनुसार, विजयादशमी से करीब एक सप्ताह पहले ही आसपास के गांवों के आंगा देव शहर के मैदानी में एकत्रित होने लगते हैं। इसके बाद दशहरा के दिन पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज के बीच उन्हें राजमहल लाया जाता है, जहां राजपरिवार द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है।

बाजे-गाजे की धुन पर झूमे आंगा देव

इस वर्ष भी राजमहल में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। विभिन्न गांवों से पहुंचे देवी-देवता अपनी पारंपरिक शैली और लय के साथ आयोजन में शामिल हुए। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज और धार्मिक उत्साह ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस ऐतिहासिक परंपरा को देखने और देवी-देवताओं के दर्शन करने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु राजमहल पहुंचे।

सामाजिक एकता और समरसता का संदेश

कांकेर राजपरिवार के मुखिया डॉ. आदित्य प्रताप देव ने बताया कि कांकेर रियासत में दशहरा मनाए जाने की परंपरा अन्य स्थानों से अलग है। यहां अंचल के पूर्वज देवी-देवताओं को आमंत्रित कर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज की विभिन्न सकारात्मक शक्तियों को एक साथ जोड़ने, आपसी तालमेल बढ़ाने और सामाजिक संतुलन स्थापित करने का संदेश भी देता है।

अनेक देवी-देवताओं की उपस्थिति बनी आकर्षण

कांकेर अंचल के विभिन्न क्षेत्रों से चिवरांज, बांसला, सरोना, दुधावा सहित अनेक गांवों के देवी-देवता इस आयोजन में शामिल हुए। आंगा देव, शीतला, बुद्धादेव और लमसेना सहित विभिन्न देवी-देवताओं की उपस्थिति ने आयोजन की भव्यता बढ़ाई। सभी देवी-देवताओं का एक साथ राजमहल पहुंचना अंचल की समृद्ध लोकसंस्कृति, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक माना जाता है।

सीपीएफ के बाद सबसे बड़ा सहारा सोसायटी के लोन ने दिया, कहा रिटायर कर्मियों ने

सेक्टर-4 को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी में सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान, आत्मीय विदाई समारोह में सदस्यों ने साझा किए संस्मरण



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले बीएसपी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी सेक्टर-4 के सदस्यों को सम्मान आत्मीय विदाई दी गई। इस विदाई समारोह में सोसाइटी के अध्यक्ष पूरन देवांगन ने सेवानिवृत्त हुए सदस्यों को सम्मानित किया और उन्हें उनके अंतिम भुगतान का चेक प्रदान किया। इस दौरान अध्यक्ष देवांगन ने कहा कि सोसाइटी की सेवाओं के प्रति हमारे सदस्यों की भावनाएं ही

हमारे लिए सबसे बड़ा प्रमाण है। आयोजन में उपस्थित सदस्यों ने सोसाइटी के साथ अपने लंबे अनुभवों और कार्यप्रणाली को खुलकर प्रशंसा की। समारोह के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शांप-डू विभाग से सेवानिवृत्त सुशील कुमार गेडम ने कहा कि चूँकि वे मशीन शांप-1 में कार्यरत थे और यह सोसाइटी मशीन शांप-1 की ही देन है, इसलिए

सोसाइटी में आने पर ऐसा महसूस होता है जैसे वे अपने ही घर में आए हों। जल प्रबंधन विभाग से सेवानिवृत्त जी. चक्रधर ने कहा कि सेक्टर-4 सोसाइटी का परफॉर्मेंस हमेशा से बहुत अच्छा रहा है। आमसभा हो, लाभांश वितरण हो या सोसाइटी से संबंधित कोई भी कार्य हो, सूचनाएं हमेशा समय पर मिलती हैं। फर्स्टी एंड पैटर्न शांप से अविनाश कुमार खरालकर ने कहा कि सेक्टर-4

सोसाइटी से बेहतर कोई दूसरी सोसाइटी नहीं है। उन्होंने अपने कई मित्रों को भी इस सोसाइटी से जोड़ा था और यहां ऋण लेने के लिए कभी भी अतिरिक्त खर्च या भागदौड़ नहीं करनी पड़ती।

जनरल एस्टेब्लिशमेंट विभाग से सेवानिवृत्त लक्ष्मी चंद्र गुप्ता ने कहा कि सीपीएफलोन के बाद किसी भी अन्य कार्य के लिए उन्हें केवल सोसाइटी से ही ऋण के रूप में आर्थिक सहयोग मिला। वायर रॉड मिल से सेवानिवृत्त अनुपमा कुमारी ने बताया कि जनरल शिफ्ट की ड्यूटी के बाद वे अंतिम समय में सोसाइटी आती थीं और उनके सभी कार्य तुरंत हो जाते थे। रिफ्रेक्टरी मटेरियल प्लांट-डू विभाग से सेवानिवृत्त अशोक कुमार हिरवाणी ने कहा कि पहले वेतन कम होने के कारण लोगों को ऋण की बहुत आवश्यकता पड़ती थी।

● 80 किलोलीटर क्षमता के जलागार से सुदृढ़ हुई गांव की पेयजल व्यवस्था



खैरागढ़। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम अवेली में विकसित पेयजल व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुविधा लेकर आई है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के खैरागढ़ विकासखंड स्थित इस गांव में 80 किलोलीटर क्षमता वाले जलागार और पाइपलाइन के माध्यम से 311 घरों तक नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। घर पर पानी उपलब्ध होने से दैनिक जरूरतों के लिए पानी जुटाना आसान हुआ है। पेयजल की सुविधा का सीधा संबंध परिवार की दिनचर्या से है। खाना

बनाने, बर्तन एवं कपड़े धोने और साफ-सफाई जैसे कार्यों के लिए पानी आवश्यक होता है। ग्राम अवेली में घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की पहल ने इन जरूरतों को पूरा करने में मदद की है। विशेष रूप से महिलाओं को पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिली है। बचने वाले

समय का उपयोग वे परिवार की देखभाल और अन्य उपयोगी कार्यों में कर सकती हैं। योजना के अंतर्गत निर्मित 80 किलोलीटर क्षमता का जलागार गांव की पेयजल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना है। जल भंडारण एवं पाइपलाइन से घरों तक आपूर्ति की सुविधा ने ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। घर में पानी की उपलब्धता से व्यक्तिगत स्वच्छता और घरेलू साफ-सफाई बनाए रखने में भी सहूलियत होती है। जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक प्यास एवं निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल पहुंचाना है। ग्राम अवेली में

विकसित यह व्यवस्था इसी उद्देश्य को धरातल पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल बताती है कि बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सरल बनाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पेयजल व्यवस्था का लाभ निरंतर मिलता रहे, इसके लिए जलागार एवं पाइपलाइन का नियमित रखरखाव, जल गुणवत्ता परीक्षण और पानी का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। ग्रामीणों की सहभागिता तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता से इस सुविधा को लंबे समय तक सुचारु बनाए रखा जा सकता है। ग्राम अवेली में 311 घरों तक नल से जल की पहुंच सुविधा, स्वच्छता और बेहतर जीवन की दिशा में एक सार्थक उपलब्धि है।

एसएमएस-2 में 12 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु कर्मशिरोमणि सम्मान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शांप-2 (एसएमएस-2) में कर्मशिरोमणि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसएमएस-2 के मुख्य महाप्रबंधक राजीव वास्तव उपस्थित रहे। समारोह में नवंबर 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के दौरान उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए 12 कर्मचारियों को कर्मशिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में राजीव वास्तव ने सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्पादन गतिविधियों के दौरान सुरक्षित कार्यप्रणाली का पालन सर्वोपरि होना चाहिए। कर्मचारियों की सुरक्षा संयंत्र की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति, समर्पण और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कार्यकुशलता एवं तकनीकी दक्षता के बल पर अनेक चुनौतियों को अवसरों में बदलकर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यह भिलाई इस्पात संयंत्र की सशक्त कार्यसंस्कृति और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। समारोह में जूनियर इंजीनियर, सीसीएस, एसबीएस लोकायत बघेल, ईए, सीसीएस, यांत्रिकी पी.सन्मुख राव, ईए, सीसीएस, विद्युत राजेंद्र प्रसाद, ईए, सीसीएस, विद्युत रमेश कांति सिन्हा,



जेईए, सीसीएस, प्रचालन ओंकार सिंह, ईए, सीसीएस, प्रचालन निशिकेश मून, चार्जमैन-कम-सीनियर टेक्नीशियन, सीएस, यांत्रिकी प्रदीप कुमार सोम, ईए, सीसीएस, यांत्रिकी जाकिर अली, ईए, सीसीएस, एसबीएस राम अवतार ठाकुर, ईए, सीसीएस, प्रचालन महावीर प्रसाद, ईए, सीएस, यांत्रिकी त्रिनाथ सोम तथा जेईए, सीएस, प्रचालन मनसा मांडवी को सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता तथा परिचालन उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण भूमिका के

लिए सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में एसएमएस-2 के महाप्रबंधक सौरभ जैन, के. राजकुमार, एस. देवसिकंदर, एन.के. देहे एवं एस.के. मलिक तथा उप महाप्रबंधक नितिन अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, मुख्य महाप्रबंधक सचिवालय के सजीव सिंह एवं अन्य कर्मचारी भी समारोह में शामिल हुए। अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सम्मानित कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। कर्मशिरोमणि सम्मान जैसे आयोजन समर्पित कर्मचारियों के योगदान

को पहचान देने के साथ-साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा, उत्कृष्टता और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। ऐसे प्रयास कर्मचारियों को बेहतर प्रदर्शन करने, टीम भावना को मजबूत बनाने तथा संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (मानव संसाधन-स्टील जोन-2) सिकंदर इंदोरिया, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी (एएलडब्ल्यूओ), कार्मिक विभाग, स्टील जोन-2 के.डी. बघेल एवं आर.के. ठाकुर ने किया।

सरस्वती शिशु मंदिर में क्षेत्र स्तरीय खेलकूद, गणित एवं विज्ञान मेला का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

देवभोग। सरस्वती शिशु मंदिर देवभोग में क्षेत्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता, गणित एवं विज्ञान मेला के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समिति के व्यवस्थापक सुधीर पटेल अध्यक्ष तस्मित पात्र शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खेलकूद, गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में शारीरिक क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। वहीं, गणित एवं विज्ञान मेला के माध्यम से बच्चों को अपनी बौद्धिक क्षमता, वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।



समारोह के दौरान मुख्य अतिथि सुधीर पटेल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद और विज्ञान संबंधी गतिविधियाँ भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। और उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। और साथ ही अध्यक्ष तस्मित पात्र ने कहा विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भविष्य में अपने विद्यालय, क्षेत्र और समाज का नाम रोशन कर सकें। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी निरंतर मेहनत करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र साहू केवल राम ध्वज प्रधानाचार्य मनोज रघुवंशी, संरक्षक आचार्य तकदीर दास, भारद्वाज ओंकारेश्वर ठाकुर लीना साहू, अरविंद नागेश, ज्योति निनाद, क्षितिज अवस्थी ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं

खसरां के भौतिक सत्यापन एवं पॉलिगन निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए निर्देश

कलेक्टर ने ग्राम सुंदरा में विभिन्न विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं का किया निरीक्षण

● श्रमिकों से मजदूरी भुगतान एवं महतारी वंदन योजना के लाभ के संबंध में की चर्चा, सिंथेटिक ट्रैक निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश



जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम में खसरां के

भौतिक सत्यापन एवं पॉलिगन निर्माण के लिए किए जा रहे सर्वे कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

जी राम जी योजना अंतर्गत संचालित कार्य का भी निरीक्षण

किया। उन्होंने कार्यस्थल पर उपस्थित श्रमिक श्रीमती चंद्रकला एवं श्रीमती मनीषा से चर्चा कर मजदूरी भुगतान एवं महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि के उपयोग के संबंध में जानकारी ली। श्रमिकों ने बताया कि उन्हें कार्य के लिए प्रतिदिन 300 रूपए मजदूरी प्राप्त होती है। कलेक्टर ने श्रमिकों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिल रहे लाभ के संबंध में भी चर्चा की। कलेक्टर ने ग्राम सुंदरा में निर्माणाधीन सिंथेटिक ट्रैक का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की

प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। कलेक्टर ने ग्रामीणों से भी निर्माण कार्य की निगरानी में सहयोग करने तथा गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सजग रहने की अपील की। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी उपस्थित थे।

खेल मैदान, पर्याप्त शौचालय और शुद्ध पेयजल का अभाव

बीजापुर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) का किस प्रकार उद्देश्य हो रहा है, इसकी वास्तविक तस्वीर देखने के लिए जिले के निजी स्कूलों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं पर नजर डालना पर्याप्त है। बुनियादी सुविधाओं को लेकर अभिभावक लगातार सवाल उठाते रहे हैं। जिले के ग्राम आवापली स्थित प्राइस पब्लिक स्कूल ऐसा ही एक उदाहरण है, जहाँ खेल मैदान, पर्याप्त शौचालय और शुद्ध पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं की भारी कमी है। स्कूल में लगभग 238 बच्चे अध्ययनरत बताए जाते हैं। जानकारी के अनुसार, स्कूल में बच्चों के खेलने के लिए कोई मैदान उपलब्ध नहीं है। शौचालयों की संख्या और व्यवस्था



भी पर्याप्त है। छात्राओं के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है और शुद्ध पेयजल की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। इन सबके बावजूद स्कूल प्रबंधन बच्चों से फीस के नाम पर मोटी रकम वसूल रहा है। जानकारी में यह भी सामने आया है कि जिस स्थान पर यह निजी स्कूल संचालित किया जा रहा है, वह शासकीय भूमि और शासकीय आवास है। इस संबंध में स्कूल प्रबंधन का पक्ष जानने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।